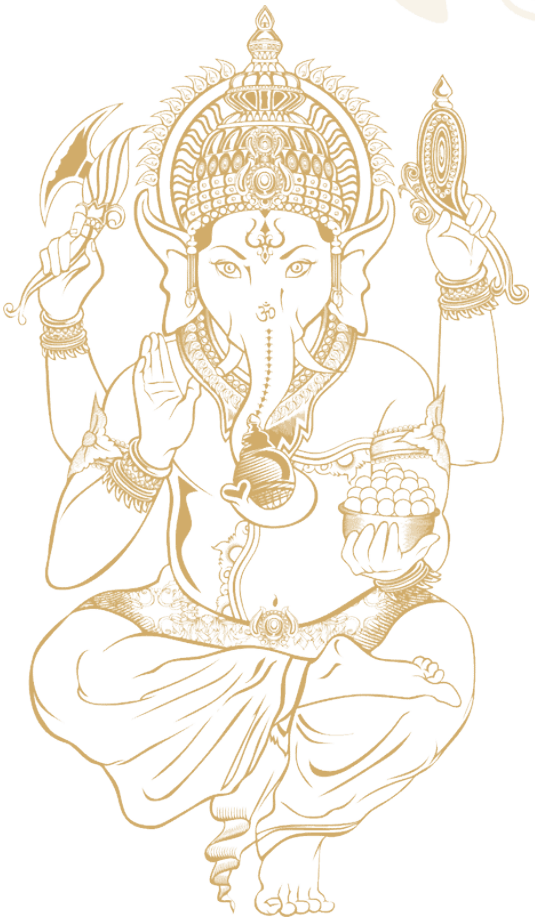

09 May 1999

03:44 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121387305

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/05/1999**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:44:00 घंटे**
इष्ट	25:22:36 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:23:12 घंटे
वेलान्तर	00:03:33 घंटे
साम्पातिक काल	06:30:21 घंटे
सूर्योदय	05:34:57 घंटे
सूर्यास्त	19:00:01 घंटे
दिनमान	13:25:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:30:41 मेष
लग्न के अंश	12:51:05 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:51:05	318:21:41	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मेष	24:30:41	00:58:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	02:51:33	13:03:44	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		तुला	04:58:37	00:19:13	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध			मेष	07:06:41	01:47:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	26:16:13	00:13:36	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	06:58:50	01:06:50	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	मेष	14:26:00	00:07:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	23:33:54	00:00:21	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	23:33:54	00:00:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:53:03	00:00:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:31:21	00:00:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:51:24	00:01:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	13:07:20	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:40

लग्न-चलित

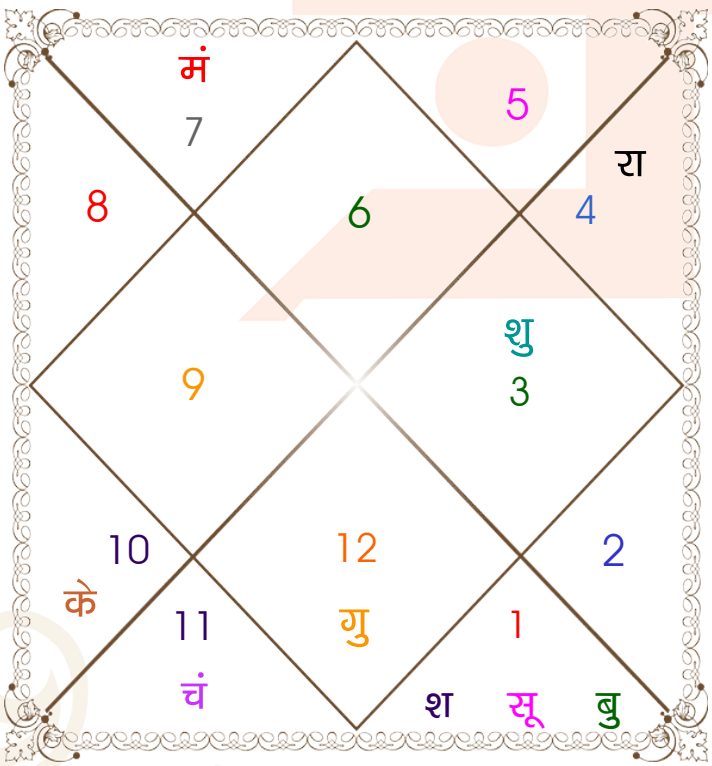

चन्द्र कुंडली

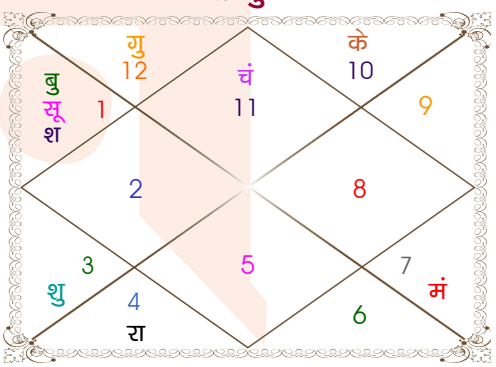

नवमांश कुंडली

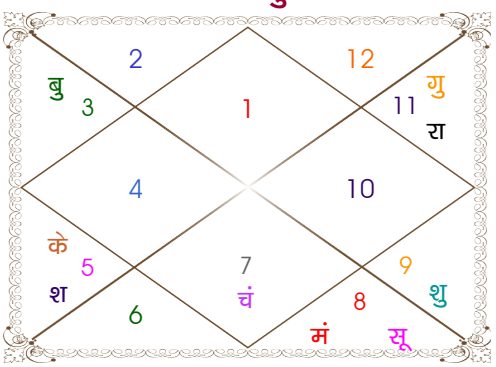

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 11 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/05/1999		08/05/2001		09/05/2019		09/05/2035		09/05/2054	
08/05/2001		09/05/2019		09/05/2035		09/05/2054		09/05/2071	
	00/00/0000	राहु	19/01/2004	गुरु	26/06/2021	शनि	12/05/2038	बुध	04/10/2056
	00/00/0000	गुरु	14/06/2006	शनि	07/01/2024	बुध	19/01/2041	केतु	01/10/2057
	00/00/0000	शनि	20/04/2009	बुध	14/04/2026	केतु	28/02/2042	शुक्र	01/08/2060
	00/00/0000	बुध	07/11/2011	केतु	21/03/2027	शुक्र	29/04/2045	सूर्य	08/06/2061
	00/00/0000	केतु	25/11/2012	शुक्र	19/11/2029	सूर्य	11/04/2046	चंद्र	07/11/2062
	09/05/1999	शुक्र	26/11/2015	सूर्य	07/09/2030	चंद्र	10/11/2047	मंगल	04/11/2063
शुक्र	01/06/2000	सूर्य	19/10/2016	चंद्र	07/01/2032	मंगल	19/12/2048	राहु	24/05/2066
सूर्य	07/10/2000	चंद्र	20/04/2018	मंगल	13/12/2032	राहु	26/10/2051	गुरु	29/08/2068
चंद्र	08/05/2001	मंगल	09/05/2019	राहु	09/05/2035	गुरु	09/05/2054	शनि	09/05/2071

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/05/2071		09/05/2078		09/05/2098		09/05/2104		10/05/2114	
09/05/2078		09/05/2098		09/05/2104		10/05/2114		00/00/0000	
केतु	05/10/2071	शुक्र	07/09/2081	सूर्य	26/08/2098	चंद्र	09/03/2105	मंगल	06/10/2114
शुक्र	04/12/2072	सूर्य	07/09/2082	चंद्र	25/02/2099	मंगल	08/10/2105	राहु	24/10/2115
सूर्य	11/04/2073	चंद्र	08/05/2084	मंगल	03/07/2099	राहु	09/04/2107	गुरु	29/09/2116
चंद्र	10/11/2073	मंगल	08/07/2085	राहु	27/05/2100	गुरु	08/08/2108	शनि	08/11/2117
मंगल	08/04/2074	राहु	08/07/2088	गुरु	16/03/2101	शनि	10/03/2110	बुध	05/11/2118
राहु	27/04/2075	गुरु	09/03/2091	शनि	25/02/2102	बुध	09/08/2111	केतु	03/04/2119
गुरु	02/04/2076	शनि	09/05/2094	बुध	02/01/2103	केतु	09/03/2112	शुक्र	10/05/2119
शनि	11/05/2077	बुध	08/03/2097	केतु	10/05/2103	शुक्र	08/11/2113		00/00/0000
बुध	09/05/2078	केतु	09/05/2098	शुक्र	09/05/2104	सूर्य	10/05/2114		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।